खबर संक्षेप

कमिश्नर ने वितरित किया पोषण किट व खेल सामग्री

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शासकीय बालक आश्रम धुरवार में सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित मरीजों को प्रतीक स्वरूप पांच हितग्राहियों को पोषण किट का वितरण किया।
इसी क्रम में कमिश्नर ने जिले के विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों को क्रिकेट, फुटबाल तथा बैडमिन्टन खेल किट का वितरण किया। इसमें कबड्डी खिलाड़ी राहुल सिंह एवं शिवम सिंह, क्रिकेट खिलाड़ी प्रदीप सिंह, फुटबॉल खिलाड़ी ओम सिंह तथा बैडमिंटन खिलाड़ी अमोश सिंह शामिल हैं। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग, उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जे.पी. यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

धमनी कला में उतरा उडन खटोला

शहडोल। जिले के खैरहा थाना क्षेत्र के छोटे से गांव धमनी कला में बुधवार को उस वक्त आसमान से खुशियां बरसती दिखीं, जब एक रसूखदार किसान परिवार ने अपनी लाडली बहू का स्वागत और विदाई किसी परीकथा की तरह किया। मौका था पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अंजय सिंह के पुत्र कुंवर आदित्य सिंह के विवाह का, जहां दूल्हा अपनी दुल्हन को उडन खटोले (हेलीकॉप्टर) में लेकर लौटा।

पैतृक गढ़ी के पास बना अस्थाई एयरपोर्ट

सतना जिले के नागौद की जमींदार पुत्री मृगांसी के साथ परिणय सूत्र में बंधे आदित्य सिंह ने अपनी इस विदाई को ऐतिहासिक बना दिया। धमनी कला स्थित पैतृक गढ़ी के ठीक सामने विशेष रूप से हेलीपैड तैयार किया गया था। जैसे ही आसमान में हेलीकॉप्टर की गडगड़ाहट सुनाई दी, मानो पूरा गांव थम गया। बच्चे हों या बुजुर्ग, हर कोई इस अनोखे नजारे को आंखों में कैद करने के लिए बेताब दिखा। प्रशासन से विधिवत अनुमति और भारी पुलिस सुरक्षा के बीच हुई इस लैंडिंग ने शहडोल के इतिहास में एक और पन्ना जोड़ दिया है। यह जिले का दूसरा ऐसा मौका है जब किसी विवाह समारोह के लिए आसमान से सवारी उतरी हो। इससे पहले जमुई क्षेत्र में भी ऐसा ही शाही नजारा देखा गया था। निजी कंपनी में इंजीनियर दूल्हे और उनके प्रतिष्ठित परिवार ने इस आयोजन के जरिए अपनी भव्यता और आधुनिक सोच का परिचय दिया है। सोशल मीडिया से लेकर चौक-चौराहों तक, बस इस शाही विदाई के ही चर्चे हैं। ग्रामीणों के लिए यह किसी बड़े उत्सव से कम नहीं था। सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच जब दूल्हा-दुल्हन हेलीकॉप्टर से नीचे उतरे, तो फूलों की बारिश और ढोल-धमाकों के साथ उनका गृह प्रवेश हुआ। निश्चित ही, धमनी कला की यह शादी अब केवल एक पारिवारिक आयोजन नहीं, बल्कि पूरे जिले के लिए एक मिसाल और चर्चा का विषय बन चुकी है।

ऑनलाइन गेमिंग की खूनी बाजी

शहडोल में उजड़ गया हंसता-खेलता परिवार

शहडोल। तकनीक और मनोरंजन के नाम पर परोसे जा रहे ऑनलाइन गेमिंग के शैतानी चंगुल ने शहडोल की पुरानी बस्ती में एक भरे-पूरे परिवार को श्मशान की शांति में बदल दिया है। वह खेल, जिसे लोग वक्त काटने का जरिया समझते हैं, उसने एक पिता के हाथों ही उसकी 16 साल की मासूम बेटी का कत्ल करवा दिया और खुद की जान भी ले ली। कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पी लेने वाले शंकर गुप्ता और उनकी बेटी स्वाति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है, जबकि पत्नी राजकुमारी अब भी मेडिकल कॉलेज में जिंदगी और मौत के बीच सिसक रही हैं।

पिता-बेटी की मौत, मौत के जाल में फंसी पत्नी

कोल्ड ड्रिंक में घुला मौत का जहर

घटना जितनी दर्दनाक है, उतनी ही सबक देने वाली भी। जानकारी के अनुसार, शंकर गुप्ता उम्र 40 वर्ष ऑनलाइन गेमिंग के ऐसे दलदल में फंस चुके थे, जहां से निकलने का हर रास्ता आर्थिक तंगी की दीवार से टकराकर बंद हो रहा था। हार और कर्ज के बोझ तले दबे शंकर ने जो आत्मघाती कदम उठाया, उसने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया है। बताया जा रहा है कि शंकर ने कोल्ड ड्रिंक में जहरीला पदार्थ मिलाया और परिवार को यह कहकर पिला दिया कि यह सामान्य ड्रिंक है। किसी को क्या पता था कि जिस पिता की उंगली थामकर बेटी ने चलना सीखा, वही पिता आज उसे मौत के घूंट पिला रहा है।

मासूम की जान बची, पर अब सिर पर नहीं रहा साया

इस पूरी त्रासदी के बीच कुदरत का एक करिश्मा भी दिखा। परिवार का सबसे छोटा बच्चा उस वक्त घर पर मौजूद नहीं था, जिसके चलते उसकी जान बच गई, लेकिन सवाल यह है कि जब वह घर लौटेगा, तो किसे पुकारेगा? उसकी दुनिया उजड़ चुकी है। पिता और बहन का साया हमेशा के लिए उठ गया है और मां अस्पताल के आईसीयू में सांसों के लिए संघर्ष कर रही है।

पुलिस खंगाल रही डिजिटल कुंडली

कोतवाली पुलिस ने घटना स्थल को सील कर दिया है। मर्ग कायम कर जांच की दिशा अब शंकर गुप्ता के मोबाइल फोन और बैंक डिटेल्स की ओर मुड़ गई है। क्या शंकर किसी संगठित साइबर फ्रॉड का शिकार हुआ था, क्या ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में उन पर भारी कर्ज चढ़ गया था, जिसे चुकाने के लिए उन पर दबाव बनाया जा रहा था। पुलिस मोबाइल की हिस्ट्री और बैंक ट्रांजेक्शन के जरिए उस सफेदपोश कातिल की तलाश कर रही है, जिसने इस परिवार को खुदकुशी के मुहाने पर खड़ा किया।

आपके मोबाइल में छिपा है मौत का सौदागर

यह घटना केवल एक परिवार की खुदकुशी नहीं है, बल्कि उस डिजिटल सट्टेबाजी और ऑनलाइन गेमिंग के खिलाफ एक अलार्म है, जो हमारे युवाओं और परिवारों को खोखला कर रहा है। शंकर गुप्ता जैसे न जाने कितने लोग इस आभासी दुनिया में अपनी असली जमापूंजी और खुशियां लुटा रहे हैं। प्रशासन और समाज को अब सोचना होगा कि क्या चंद रुपयों के लालच में मासूमों की बलि चढ़ने का यह सिलसिला यूं ही जारी रहेगा।

स्तब्ध है शहडोल की पुरानी बस्ती

पुरानी बस्ती इलाके में सन्नाटा पसरा है। लोग इस बात पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि एक मामूली ऑनलाइन गेम किसी की जान इस तरह ले सकता है। शंकर और उनकी बेटी स्वाति की मौत ने साइबर सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह साफ होगी, लेकिन प्राथमिक तौर पर यह मामला ऑनलाइन गेमिंग के खूनी चंगुल का ही नजर आ रहा है।

छत से फेंका तो हत्या की कोशिश क्यों नहीं?

युवक ने धोखे से की दूसरी शादी, कर रहा प्रताड़ित

शहडोल। रिश्तों के कत्ल और विश्वास के खून की एक ऐसी सनसनीखेज वारदात सोहागपुर थाना क्षेत्र से सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। एक महिला, जिसे सात जन्मों तक साथ निभाने का वादा कर घर लाया गया था, उसे उसी के पति ने मौत के मुंह में धकेलने की कोशिश की। आरोप है कि पति ने न केवल अपनी पहली शादी का सच छिपाकर धोखाधड़ी की, बल्कि विरोध करने पर अपनी पत्नी को घर की छत से नीचे फेंक दिया। फिलहाल पीड़िता जिला अस्पताल से जिंदगी की जंग जीतकर न्याय की गुहार लगा रही है, पुलिस मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

16 फरवरी की वो काली सुबह

घटना 16 फरवरी 2026 की सुबह करीब 10 बजे की है। पीड़िता के अनुसार, उसका पति मोहित यादव छोटी-सी बात पर आपा खो बैठा। गाली-गलौज और मारपीट के बीच आरोपी की दरिंदगी इस कदर बढ़ी कि उसने अपनी पत्नी को घर की छत से नीचे धक्का दे दिया। जमीन पर गिरते ही महिला लहूलुहान हो गई, उसके सिर, कोहनी और कमर में गंभीर चोटें आईं। 16 से 23 फरवरी तक जिला अस्पताल के वार्डों में दर्द से कराहती महिला अब इस खौफनाक सच को लेकर सामने आई है। मेडिकल रिपोर्ट भी सिर पर गहरे टांकों और गंभीर चोटों की पुष्टि कर रही है।

सुनियोजित शिकार हुई पीड़िता

इस मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू धोखे से शादी का है। पीड़िता का आरोप है कि मोहित यादव ने शादी के समय खुद को कुंवारा बताया था। विवाह के बाद जब सच्चाई की परतें खुलीं, तो पता चला कि साहब पहले से शादीशुदा हैं और उनका 8 साल का एक बच्चा भी है। जब पत्नी ने इस जालसाजी का विरोध किया, तो उसे प्रताडऩा के नर्क में धकेल दिया गया। आरोपी पति ने अपनी पहली शादी का राज छुपाने के लिए अपनी दूसरी पत्नी का जीना मुहाल कर दिया था।

अस्पताल में भी धमकी का दौर

हैरानी की बात यह है कि जब पीड़िता अस्पताल में भर्ती थी, तब भी आरोपी पति वहां पहुंचकर दबाव बना रहा था। वह चाहता था कि पीड़िता चुपचाप डिस्चार्ज होकर घर आ जाए और इस जानलेवा हमले को महज एक हादसा बता दे, लेकिन हौसले की धनी पीड़िता ने समझौता करने के बजाय इंसाफ का रास्ता चुना है। सोहागपुर पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 85, 296(बी), 115(2) और 351(3) के तहत मामला तो दर्ज कर लिया है, लेकिन ये धाराएं केवल मारपीट, धमकी और क्रूरता तक सीमित हैं। जब किसी को छत से धक्का दिया जाता है, तो वह सीधे तौर पर हत्या का प्रयास होता है। जानकारों का कहना है कि यदि ऊंचाई से धक्का दिया गया है और सिर पर चोट आई है, तो यह स्पष्ट रूप से जान लेने की नीयत को दर्शाता है। ऐसे में धाराओं में इजाफा अनिवार्य है।

समझौता नहीं, सिर्फ फांसी जैसी सजा चाहिए

पीड़िता ने दो-टूक शब्दों में प्रशासन को चेतावनी दी है कि वह किसी भी दबाव में झुकने वाली नहीं है। उसने मांग की है कि मामले में धोखाधड़ी और हत्या के प्रयास की धाराएं जोड़ी जाएं। पुलिस की डायरी में मेडिकल रिपोर्ट और साक्ष्य तो दर्ज हो गए हैं, लेकिन अब देखना यह है कि सोहागपुर पुलिस इंसाफ करती है या रसूखदारों के आगे नतमस्तक हो जाती है।

प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती

सोहागपुर का यह मामला केवल एक पारिवारिक विवाद नहीं है, बल्कि महिला सुरक्षा के दावों की पोल खोलता एक आईना है। अगर एक विवाहिता को छत से फेंकने के बाद भी आरोपी हल्की धाराओं के सहारे बाहर घूमता रहा, तो समाज में गलत संदेश जाएगा। जिला पुलिस अधीक्षक से उम्मीद की जा रही है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे ताकि पीड़िता को उसका हक मिल सके।

विश्वविद्यालय का फ्लॉप शो

कुलपति की नाक के नीचे भारी कुप्रबंधन!

राज्यपाल नहीं आए और छात्रों को नहीं मिला भोजन

शहडोल। ज्ञान के मंदिर पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह बुधवार को उस समय बदइंतजामी का अखाड़ा बन गया, जब महामहिम राज्यपाल का दौरा रद्द होने के साथ-साथ एक बड़ा खाद्य कांड होते-होते बचा। लाखों रुपये पानी की तरह बहाने के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों को ढंग का भोजन तक उपलब्ध नहीं करा सका। इसे प्रशासन की गुपचुप कार्यशैली कहें या भारी लापरवाही कि राज्यपाल के न आने से जितनी किरकिरी हुई, उससे कहीं ज्यादा फजीहत सड़े हुए भोजन ने करा दी।

कुर्सी सलामत, पर साख का क्या?

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामशंकर खुद राज्यपाल को न्योता देने पहुंचे थे, लेकिन अंत समय में हेलीकॉप्टर की तकनीकी खराबी ने तैयारियों की हवा निकाल दी। हालांकि राज्यपाल का न आना एक संयोग हो सकता है, लेकिन विश्वविद्यालय के भीतर की व्यवस्थाएं पूरी तरह इंसानी चूक और भ्रष्टाचार की बू दे रही हैं। मीडिया से दूरी बनाकर गुपचुप तरीके से किए गए इस भव्य आयोजन का असली चेहरा तब सामने आया जब भोजन के पैकेटों से दुर्गंध आने लगी।

ओम साईं ट्रेडर्स और प्रशासन की जुगलबंदी

समारोह में सैकड़ों छात्र-छात्राओं को जो भोजन परोसा जाना था, वह वितरण से पहले ही सड़ चुका था। ओम साईं ट्रेडर्स द्वारा तैयार किए गए भोजन से ऐसी तीखी दुर्गंध उठी कि सतर्क अधिकारियों को उसे फिंकवाना पड़ा। अगर छात्रों ने वह दूषित भोजन खा लिया होता, तो आज शहडोल का मेडिकल कॉलेज फूड पॉइजनिंग के शिकार छात्रों से भरा होता। एक बड़ा हादसा टल जरूर गया, लेकिन कुलपति और उनकी टीम की जवाबदेही से इनकार नहीं किया जा सकता।

भूखे प्यासे लौटे छात्र

भोजन खराब होने के बाद आनन-फानन में नमकीन और बूंदी बांटकर पल्ला झाडऩे की कोशिश की गई। दूर-दराज से आए छात्र, जो सुबह से दीक्षांत समारोह के उत्साह में थे, वे अंततः भूखे पेट घर लौटने को मजबूर हुए। लाखों की फंडिंग आखिर गई कहां, क्या मंचीय साज-सज्जा और फोटो खिंचवाने तक ही विश्वविद्यालय का दायित्व सीमित है।

कुलपति का जांच वाला रटा-रटाया राग

हमेशा की तरह कुलपति ने अब जांच और कार्रवाई का झुनझुना थमा दिया है, लेकिन हकीकत यह है कि यह पूरा आयोजन उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में था। जब टेंडर से लेकर निगरानी तक सब कुछ विश्वविद्यालय प्रशासन के हाथ में था, तो फिर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हुई, क्या यह चहेती फर्मों को उपकृत करने का नतीजा है या प्रशासनिक अक्षमता?

विश्वविद्यालय बना विवादों का केंद्र

पिछले कुछ महीनों से पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों से ज्यादा अपनी विवादित कार्यशैली के लिए जाना जा रहा है। मीडिया को अंधेरे में रखकर किए जा रहे इन आयोजनों का मकसद क्या है? क्या प्रशासन अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए पारदर्शिता से बच रहा है? दीक्षांत समारोह की चमक फीकी पड़ चुकी है और विश्वविद्यालय के दामन पर लापरवाही का काला दाग लग गया है। अब देखना यह है कि क्या उच्च शिक्षा विभाग इस भोजन घोटाले और कुप्रबंधन पर कोई कड़ा संज्ञान लेता है, या फिर जांच की फाइलों के नीचे इस मामले को भी दबा दिया जाएगा।

चक्का जाम की दहलीज पर मध्य प्रदेश

शहडोल के बस संचालकों ने सरकार को दिया अल्टीमेटम!

शहडोल। प्रदेश सरकार की नई परिवहन नीति के खिलाफ अब बगावत का बिगुल फूंका जा चुका है। शहडोल जिला बस ऑनर्स एसोसिएशन ने दो-टूक लहजे में सरकार को चेतावनी दी है कि यदि संशोधनों के नाम पर थोपे गए काले कानून वापस नहीं लिए गए, तो 2 मार्च 2026 से पूरे प्रदेश के पहिए थम जाएंगे। मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर बस मालिकों ने स्पष्ट कर दिया है कि अब समझौता नहीं, सीधे संघर्ष होगा।

छोटे संचालकों के पेट पर नीति की लात

बस संचालकों का आरोप है कि 24 दिसंबर 2025 और 29 जनवरी 2026 को जारी किए गए संशोधन बस व्यवसाय के लिए डेथ वारंट की तरह हैं। सागर में हुई प्रदेश स्तरीय बैठक के बाद अब शहडोल के संचालकों ने भी मोर्चा खोल दिया है। उनका तर्क है कि रूट पुनर्गठन और नई परमिट प्रक्रिया से छोटे और मध्यम वर्ग के बस ऑपरेटर पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे। यह नीति केवल बड़े घरानों और कॉर्पोरेट ऑपरेटरों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई है।

ग्रामीण परिवहन पर मंडराया संकट

एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार द्वारा थोपे गए तकनीकी मानकों और कर संरचना में बदलाव से ग्रामीण अंचलों में चलने वाली बसें बंद होने की कगार पर पहुंच जाएंगी। वर्षों से स्थापित रूटों के साथ छेड़छाड़ करने से न केवल व्यवसायिक अस्थिरता आएगी, बल्कि आम जनता की आवाजाही भी नारकीय हो जाएगी।
जिला बस ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद गौतम (महंत गौतम), कार्यवाहक अध्यक्ष राजकुमार सिंह और अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त हस्ताक्षर कर शासन को चेताया है कि वर्तमान व्यवस्था को यथावत रखा जाए। शहडोल के साथ-साथ भोपाल, इंदौर, जबलपुर और रीवा जैसे बड़े शहरों में भी विरोध की लहर तेज हो गई है। संचालकों ने कहा कि पारदर्शिता और सुरक्षा के नाम पर आखिर कब तक छोटे संचालकों की बलि ली जाएगी? क्या ऑनलाइन परमिट और जीपीएस की अनिवार्यता के पीछे असली मकसद छोटे व्यापारियों को मार्केट से बाहर करना है?

हड़ताल हुई तो थम जाएगा प्रदेश

यदि 2 मार्च तक सरकार और संगठनों के बीच संवाद का रास्ता नहीं निकला, तो प्रदेशव्यापी हड़ताल तय है। इससे लाखों यात्रियों की परेशानी बढऩा निश्चित है। जहां विभाग इसे राजस्व सुधार की दिशा में बड़ा कदम बता रहा है, वहीं बस संचालकों ने इसे अपने अस्तित्व की लड़ाई करार दिया है। अब देखना यह है कि क्या सरकार झुकती है या फिर प्रदेश को एक बड़े परिवहन संकट का सामना करना पड़ेगा।

कमिश्नर ने जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कलेक्टर के अथक प्रयासों से जिला अस्पताल को मिली डायलिसिस मशीन व वाहन की सुविधा

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के प्रयासों से जिला अस्पताल शहडोल को मरीजों की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8 लाख रुपये की लागत वाली डायलिसिस मशीन एवं अस्पताल परिसर में मरीजों के शिफ्टिंग के लिए महिन्द्रा एजेंसी द्वारा प्रदाय वाहन का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर कमिश्नर ने जिला अस्पताल शहडोल के शिशु गहन चिकित्सा इकाई, पीआईसीयू वार्ड, ऑपरेशन थियेटर सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया तथा मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएं।कमिश्नर ने शिशु गहन चिकित्सा इकाई का निरीक्षण कर वहां भर्ती नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली तथा गंभीर स्थिति वाले नवजात शिशुओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए।इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. शिल्फी सराफ ने अवगत कराया कि प्रतिदिन लगभग 15 से 20 डिलीवरी होती हैं एवं वर्तमान में पोस्ट ऑपरेटिव रूम में 35 मरीज भर्ती हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है। कमिश्नर ने अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों, भर्ती मरीजों, नवजात शिशुओं, बेड्स की संख्या सहित अन्य व्यवस्थाओं की भी जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती प्रभा मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

हायर सेकेण्डरी गणित विषय की परीक्षा संपन्न

उमरिया। हायर सेकेण्डरी गणित विषय की परीक्षा 35 परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न हुई। हायर सेकेण्डरी गणित विषय की परीक्षा में कुल दर्ज 543 विद्यार्थियो में से 536 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी वहीं 7 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी मण्डल परीक्षा अभय सिंह द्वारा मण्डल के निर्देशानुसार परीक्षा केन्द्रों में नियुक्त कलेक्टर प्रतिनिधियों द्वारा प्रश्नपत्र थाने से निकालने एवं परीक्षा केन्द्र तक ले जाने व परीक्षा केन्द्र में मोबाईल एप के माध्यम से किये जाने वाले कार्य की मॉनीटरिंग की गई व समय पर सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा प्रारंभ होने के उपरांत निर्धारित प्रारूप में जानकारी माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल की ओर भेजने के निर्देश दिये गये। मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा मण्डल परीक्षा से संबंधित समस्त गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुये निरंतर सभी कार्यों की मॉनीटरिंग प्रतिदिन की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस. मरावी द्वारा परीक्षा केन्द्र शा.उ.मा.वि. लोढ़ा, शा.उ.मा.वि. कन्या चंदिया, शा.उ.मा.वि. अखड़ार, शा.उ.मा.वि. बिलासपुर एवं शा.उ.मा.वि. कौडिया का निरीक्षण किया गया, परीक्षा शांति पूर्वक एवं सुचारू रूप से संचालित होना पायी गयी। परीक्षा में किसी भी परीक्षा केन्द्र में नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुये। सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा व्यवस्था एवं संचालन मंडल के निर्देशानुसार उचित एवं व्यवस्थित पायी गयी, सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस बल तैनात पाया गया। परीक्षा केन्द्रों पर 144 धारा लगाने के फलस्वरूप बाहय भीड़ एवं असमाजिक तत्वों की भीड़ नहीं दिखाई दी,परीक्षायें शांति पूर्ण संचालित पायी गयी ।

श्री चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय, कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

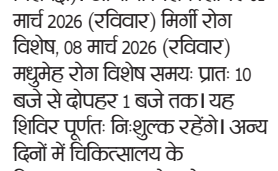

अमरकंटक। तीर्थ नगरी अमरकंटक में स्थित चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय, कल्याण सेवा आश्रम द्वारा विगत कई वर्षों से क्षेत्रवासियों को निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। चिकित्सालय में आपातकालीन चिकित्सा सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है। चिकित्सालय में प्रत्येक माह निःशुल्क विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श एवं दवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। शिविरों की रूपरेखा एवं चिकित्सकों के नाम इस प्रकार हैं। पहला रविवार (मिर्गी, लकवा, स्नायु रोग) डॉ. रजनीश पाण्डेय (बिलासपुर), दूसरा रविवार (मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सिकलसेल, मानसिक रोग), डॉ. योगेन्द्र परिहार (बिलासपुर) डॉ. शकुंतला लांझी (अमरकंटक) डॉ. एस. के. घर (बिलासपुर) डॉ. अभिषेक पाण्डेय, डॉ. मनोज मेरगो, तीसरा रविवार (स्त्री रोग विशेष) डॉ. इशिता प्रियदर्शिनी, डॉ. वर्षा नरेटी, डॉ. मीनाक्षी (स्त्री रोग विशेषज्ञ), चौथा रविवार (अस्थि एवं शिशु रोग) डॉ. वैभव कौशिक (अस्थि रोग विशेषज्ञ), डॉ. अंकित शाह, डॉ. चन्द्र प्रकाश, डॉ. बलदेव (शिशु रोग विशेषज्ञ)। आगामी विशेष शिविर 01 मार्च 2026 (रविवार) मिर्गी रोग विशेष, 08 मार्च 2026 (रविवार) मधुमेह रोग विशेष समयः प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक। यह शिविर पूर्णतः निःशुल्क रहेंगे। अन्य दिनों में चिकित्सालय के नियमानुसार शुल्क देय होगा। अधिक जानकारी हेतु संपर्कः 8839037328, 9329293579। क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की गई है।

अवैध रेत (खनिज) के विरुद्ध की गई कार्यवाही

बदरा/जमुना। थाना भालूमाड़ा की टीम को मुखबिर की सूचना मिली की एक व्यक्ति एक नीले रंग की महिंद्रा स्वराज कम्पनी का ट्रेक्टर ट्राली में अवैध रेता लोड कर केवई नदी से बाजार दफाई भालूमाडा तरफ जा रहा है सूचना मिलने पर तत्काल थाना प्रभारी भालूमाडा के नेतृत्व में भालूमाडा पुलिस स्टाफ द्वारा बाजार दफाई रोड में घेराबंदी कर नीले रंग की महिंद्रा स्वराज कम्पनी के बिना नंबर प्लेट के ट्रेक्टर को रोक कर चेक करने पर बिना रायल्टी/टीपी के अवैध रुप से ट्रेक्टर के ट्राली में 3 घन मीटर रेत (खनिज) लोड कर परिवहन करते पाये जाने पर ट्रेक्टर चालक दीनदयाल बैगा पिता शंखू बैगा उम्र 40 वर्ष निवासी लाइन दफाई भालूमाडा के कब्जे से उक्त ट्रेक्टर मय ट्राली में लोड 3 घन मीटर रेत को जप्त कर थाना लाकर सुरक्षार्थ थाना परिसर में खडा कराया गया एवं आरोपी ट्रेक्टर चालक दीनदयाल बैगा के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया।

शहडोल जिला अस्पताल सिस्टम की बीमारी से जूझ रहे मरीज

राउंड के नाम पर ओपीडी से नदारद रहते हैं भगवान

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय का कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय अपनी बदहाली और लचर कार्यशैली के कारण एक बार फिर सुर्खियों में है। सफेद कोट पहनकर सेवा का संकल्प लेने वाले चिकित्सकों की लापरवाही का आलम यह है कि यहां इलाज मिलना किसी चमत्कार से कम नहीं है। अस्पताल के गेट पर तो समय सारणी सुबह 09 से दोपहर 02 बजे की लिखी है, लेकिन हकीकत यह है कि इन कमरों में समय पर किसी डॉक्टर के दर्शन हो जाएं, तो मरीज इसे अपना सौभाग्य मान बैठते हैं।

राउंड का बहाना, मरीज बेचारा परेशान

अस्पताल की ओपीडी में बने केबिन खाली पड़े रहते हैं। जब घंटों इंतजार के बाद परेशान मरीज या उनके परिजन पूछताछ करते हैं, तो रटा-रटाया जवाब मिलता है, डॉक्टर साहब राउंड पर हैं। सवाल यह उठता है कि क्या राउंड पूरे ड्यूटी समय तक चलता है? जिला अस्पताल में चिकित्सकों की कोई भारी कमी नहीं है, लेकिन ड्यूटी के प्रति संवेदनशीलता का अभाव साफ झलकता है। ओपीडी के केबिनों में चिकित्सकों की मौजूदगी मरीजों की जरूरत पर नहीं, बल्कि साहब की मर्जी और मरीजों की किस्मत पर टिकी है।

जांच के नाम पर जंग

अगर आप खुशकिस्मत रहे और डॉक्टर से मुलाकात हो गई, तो अगला पड़ाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। डॉक्टर द्वारा लिखी गई सोनोग्राफी, एक्स-रे या खून जांच कराने के लिए जब मरीज संबंधित विभाग पहुंचता है, तो वहां कर्मचारियों का टोटा नजर आता है। आधे घंटे में रिपोर्ट मिलने का वादा किया जाता है। घंटों इंतजार के बाद भी रिपोर्ट नहीं मिलती। विडंबना देखिए, मरीज रिपोर्ट के लिए भटकता रहता है और वहां से रिपोर्ट मिलने तक डॉक्टर साहब अपनी कुर्सी छोडक़र नदारद हो चुके होते हैं। इस व्यवस्था की सबसे हास्यास्पद और डरावनी बात यह है कि कई बार डॉक्टर बिना रिपोर्ट देखे ही दवाइयां लिख देते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह इलाज है या सिर्फ कागजों की खानापूर्ति?

कतार में खड़ा मरीज दम तोड़ दे!

अस्पताल के बाहर का हाल अंदर से भी ज्यादा बदतर है। ओपीडी पर्ची कटाने के लिए महिलाओं, पुरुषों, वृद्धों और दिव्यांगों के लिए अलग-अलग काउंटर तो कागजों और बोर्डों पर सजे हैं, लेकिन हकीकत में सिर्फ एक या दो खि?कियों पर ही भी? का रेला लगा रहता है। बाकी काउंटरों पर कर्मचारी मौजूद भी हों, तो वे मरीजों को मेन काउंटर की भीड़ में धकेल देते हैं। दिव्यांग और बुजुर्गों की लाचारी पर किसी को तरस नहीं आता। अस्पताल की यह कछुआ चाल ऐसी है कि मरीज डॉक्टर तक पहुंचने से पहले ही दम तो दे।

तीसरी आंख भी बंद, जिम्मेदार मौन

अस्पताल परिसर में चप्पे-चप्पे पर लगे सीसीटीवी कैमरे (तीसरी आंख) हर दिन इस अव्यवस्था और लापरवाही को कैद करते हैं। लेकिन इन फुटेज को खंगालने की फुर्सत न तो प्रबंधन को है और न ही प्रशासन को। ऐसा लगता है कि कैमरे सिर्फ सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि अव्यवस्था की मूक गवाही देने के लिए लगाए गए हैं।

सफाई में सुधार, पर सिस्टम में कब

हालांकि इस अंधेरे के बीच एक अच्छी खबर यह है कि सिविल सर्जन की सक्रियता से अस्पताल परिसर के भीतर सफाई व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। पहले जैसी दुर्गंध अब गलियारों में नहीं महकती, लेकिन क्या सिर्फ फर्श चमकाने से अस्पताल का नाम रोशन होगा। जब तक मरीजों को समय पर डॉक्टर नहीं मिलेंगे, जब तक जांच रिपोर्ट के लिए घंटों का इंतजार खत्म नहीं होगा और जब तक पर्ची काउंटरों पर मानवता नहीं दिखेगी, तब तक क्या जिला अस्पताल को इलाज का केंद्र माना जा सकता है। सिविल सर्जन महोदय, सफाई की तरह ही आपको व्यवस्था की सड़ांध को भी दूर करना होगा। चिकित्सक समय पर बैठें, जांच समय पर हो और पर्ची काउंटर पर मरीजों को भटकना न पड़े, इसके लिए सख्त और दंडात्मक कार्रवाई की जरूरत है। वरना, यह जिला अस्पताल सिर्फ रेफरल सेंटर और अव्यवस्था का अड्डा बनकर रह जाएगा।

ब्लाक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। जनपद पंचायत पाली, जिला उमरिया में विकास खंड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक का आयोजन जनपद पंचायत पाली सभागार कक्ष में सेवकराम सोनवानी जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक उमरिया के अध्यक्षता में किया गया। बैठक में वित्तीय समावेस के साथ - साथ सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण पर चर्चा एवं सभी शासकीय योजनाओ की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमे विभागों द्वारा बैंको में पर्याप्त प्रकरण भेजने हेतु आग्रह किया गया साथ ही बैंको में लंबित प्रकरणों को अतिशीघ्र स्वीकृत एवं वितरण करने तथा संबंधित पोर्टल में फीड करने हेतु अनुरोध किया गया । एसीपी विमोचन हेतु , डी ई ए एफ खातों की समीक्षा की गई । बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पाली कन्हाई कंवर, एसबीआई आरसेटी डायरेक्टर तरुण कुमार सिंह एवं विकास खंड के शाखा प्रबंधक तथा सम्बन्धित विभाग प्रमुख एवं नोडल उपस्थित रहे ।

48 घंटे में मनेन्द्रगढ़ से लापता बालिका बरामद

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। थाना भालूमाड़ा पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए 13 वर्षीय अपहृता (परिवर्तित नाम अंजली सिंह) को 48 घंटे के भीतर छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ से दस्तयाब कर सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 फरवरी को फरियादी संतराम सिंह निवासी धुर्वासिन भर्राटोला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 21 फरवरी दोपहर करीब 12 बजे बालिका घर से बाहर जाने के बाद वापस नहीं लौटी। परिजनों द्वारा तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर अपहरण की आशंका जताई गई। इस पर थाना भालूमाड़ा में अपराध क्रमांक 53/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाई और तकनीकी एवं मैदानी साक्ष्यों के आधार पर 24 फरवरी को बालिका को मनेन्द्रगढ़ से बरामद कर लिया। अहम भूमिकाः थाना प्रभारी भालूमाड़ा विपुल शुक्ला, सहयोग में महिपाल प्रजापति एवं ज्योति मालवीय की सराहनीय भूमिका रही।

प्रतियोगिता में स्थान रखने वाले प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

स्टेडियम में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

लक्ष्य की प्राप्ति हेतु शरीर का स्वस्थ रहना आवश्यक - सीईओ जिला पंचायत

स्वस्थ शरीर और सफल जीवन की कुंजी है खेल- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

उमरिया।

हमारे जीवन में खेलों का अत्यधिक महत्व है। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना अंतर्गत नवाचार एवं पारंपरिक खेल प्रोत्साहन के तहत जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। खेल में भाग लेने वाले सभी खिलाडियो ने अपने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया है। उक्त आशय के विचार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए ।

उन्होंने कहा कि जीवन मे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शरीर का स्वस्थ्य रहना आवश्यक है। खेल को खेल भावना से खेलना चाहिए। उन्होने कहा कि खेल मे जीतना जरूरी नही,बल्कि खेल में भाग लेना अति आवश्यक होता है। सभी खिलाड़ी सभी प्रकार के खेल को खेले और अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए ग्राम, जिला, प्रदेश में अपना नाम रोशन करें ।उन्होने विजेता एवं उप विजेता टीमो को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या ने कहा कि खेल हमारे स्वास्थ्य, पढाई और जिंदगी के लिए आवश्यक है। इसलिए आवश्यक है कि खेलों को अपने जीवन का अभिन्न अंग हैं।उन्होंने कहा कि एक दिवसीय जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में सभी खिलाडियो ने पूरे उत्साह के साथ खेल को खेला।उन्होने कहा कि खेल मे हार जीत मायने नही रखती,बल्कि हार से सीख लेकर अगले खेल में बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लें।

जिला क्रीडा अधिकारी शेख सलीम ने बताया कि सर्वप्रथम सरवाही कला एवं बल्हौड के बीच कबड्डी का मैच खेला गया जिसमें बल्हौड विजयी, मलियागुडा पाली एवं कठार के बीच हुए मैच में मलियागुडा विजयी, शिवाजी क्लब करकेली एवं गोरैया के बीच हुए मैच मे शिवाजी विजयी, रॉयल क्लब करकेली एवं नौगवां के बीच हुए मैच में रायल क्लब करकेली विजयी, भगत सिंह करकेली एवं बल्हौड के बीच हुए मैच में भगत सिंह विजयी, सरसवाही कला एवं भगत सिंह के बीच हुए मैच में भगत सिंह विजयी रही।

इसी तरह पहला सेमीफायनल मैच मलियागुडा पाली एवं रायल क्लब के मध्य खेला गया जिसमें मलिया गुडा की टीम विजयी रही। दूसरा फायनल मैच शिवाजी क्लब एवं भगत सिंह के मध्य खेला गया जिसमें शिवाजी क्लब की टीम विजयी रही। तीसरा सेमीफायनल मैच भगत सिंह एवं रायल क्बल के बीच हुआ जिसमें भगत सिंह विजयी रही। फायनल मैच शिवाजी क्लब एवं मलियागुडा के बीच खेला गया जिसमें शिवाजी क्लब की टीम विजयी रही। दूसरे स्थान पर मलियागुडा की टीम, तृतीय स्थान पर भगत सिंह करकेली, चौथे स्थान पर रायल क्लब करकेली रही। कार्यक्रम के अंत में विजेता टीम को 21 हजार, उप विजेता टीम को 11 हजार,तृतीय स्थान पर आने वाली टीम को 5100 तथा तीन टीमों को सांत्वना पुरस्कार 1100-1100 रुपए के पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर खेला एवं युवा कल्याण विभाग से के के झारिया, क्रीडा शिक्षक मुकेश झारिया , ब्लाक कार्डिनेटर पाली सहित खिलाडी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डीपीएमआरजीएसए खेललाल साहू ने किया।

नवांकुर संस्था सील फाउंडेशन की सेक्टर बैठक संपन्न

उमरिया।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड करकेली के जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ल के निर्देशन में नवांकुर संस्था सील फाउंडेशन सेक्टर करकेली द्वारा प्रस्फुटन समिति, परामर्शदाता व सीएमसीएलडीपी छात्र छात्राओं के साथ सेक्टर बैठक का आयोजन करकेली में किया गया। बैठक में सील फाउंडेशन अध्यक्ष दीपक नामदेव द्वारा उपस्थित जनों को शासन द्वारा संचालित योजनाओं को जन जन तक पहुंचने व शासन की विभिन्न योजनाओं के साथ पात्र हितग्राहियों को जोडऩे व लाभांवित करने हेतु आवश्यक चर्चा की गई। साथ ही उपस्थित प्रस्फुटन समिति के कार्यों व दस्तावेजों की समीक्षा की गई, साथ ही आगामी कार्ययोजना व गतिविधियों के आयोजन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में परामर्शदाता श्रीमती सिंह, प्रस्फुटन समिति प्रमुख रवि सिंह, जगनू सिंह, शनि सिंह, खुशबू सिंह, सीएमसीएलडीपी छात्र छात्रा अनिलेश नामदेव, स्वेता कांत, ऊषा सिंह सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

शुद्धिकरण के बाद मनाया जाएगा रंगों का त्योहार

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

सबसे बड़ा रंगों का त्योहार, होली में इस बार एक ऐसी खगोलीय पहेली लेकर आ रहा है। इस बार होलिका दहन और धुलेंडी रंगों की होली के बीच 24 घंटे का खाली समय है। पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि इस बार 2 मार्च को शाम 05:55 बजे से पूर्णिमा तिथि शुरू होते ही भद्रा का आगमन भी हो जाएगा. भद्रा को सूर्य देव की पुत्री और शनि देव की बहन माना गया है, जिनका स्वभाव अत्यंत उग्र है. ज्योतिषीय गणना के अनुसार, भद्रा का मुख काल बेहद अशुभ होता है. इसलिए जब भद्रा का पुच्छ भाग समाप्त होगा, तभी होलिका की अग्नि प्रज्वलित की जाएगी। उन्होंने बताया कि भद्रा समाप्ति का समयः रात 12:50 बजे 3 मार्च की सुबह। पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि रात 12:50 से 02:02 रात्रि के बीच होलिका दहन का सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त है। पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि होली को जो चीज सबसे ज्यादा विशेष और दुर्लभ' बनाती है, वह है पूर्ण चंद्र ग्रहण यह ग्रहण 3 मार्च को लगेगा। चंद्र ग्रहण भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। चंद्र ग्रहण 3 मार्च के दिन दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से शुरू होगा। वहीं चंद्र ग्रहण का समापन शाम 6 बजकर 47 मिनट पर होगा। पंचायती मंदिर के पुजारी पंडित कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि सूतक काल 3 मार्च की सुबह से ग्रहण से 9 घंटे पहले शुरू हो जाएगा। ग्रहण तीन मार्च को शाम छः बजे से प्रारंभ होकर शाम 06:48 बजे तक रहेगा। नौ घंटे पहले सूतक लग जायेगा। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार, सूतक काल और ग्रहण के दौरान उत्सव मनाना, शोर मचाना, भोजन करना और रंगों से खेलना वर्जित है यह समय साधना और ईश्वर भक्ति का होता है. यही कारण है कि 3 मार्च को सूतक रहेगा और रंग नहीं खेले जाएंगे। पंडित कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि खगोलविदों का कहना है कि होली के दिन पूर्ण चंद्र ग्रहण का भारत में दिखाई देना एक शताब्दी घटना जैसा है. जब चंद्रमा पृथ्वी की गहरी छाया से गुजरता है, तो वह तांबे जैसा लाल दिखने लगता है, जिसे ब्लड मून कहते हैं. इस बार होली की अग्नि के अगले ही दिन इस लाल चाँद का दिखना आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दोनों दृष्टि से एक बड़ी घटना है। 4 मार्च बुधवार को ग्रहण की समाप्ति और शुद्धिकरण के बाद रंगों का त्योहार मनाया जाएगा। बुध ग्रह का प्रभावः पंडित कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि बुधवार का स्वामी बुध है, जो बुद्धि, वाणी और हास्य-विनोद का कारक है. ज्योतिषियों का मानना है कि ग्रहण के भारीपन के बाद बुधवार की होली लोगों के तनाव को दूर करेगी और रिश्तों में मिठास घोलेगी।

लाइन अटैच आदेश के बाद भी खानापूर्ति का आरोप, सरपंच ने दी इस्तीफे की चेतावनी

धूम्मा पंचायत जांच पर उठे गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत धूम्मा में सचिव सुषमा रानी पांडे के कार्यों को लेकर पूर्व में मीडिया में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित हुए थे इन्हीं मामलों को संज्ञान में लेते हुए कार्यालय जनपद पंचायत अनूपपुर द्वारा आदेश क्रमांक 211/ज.प./स्था./2026 दिनांक 09 फरवरी जारी कर सचिव को 'लाइन अटैच' करते हुए जांच दल गठित किया गया था। आदेश में शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे शिकायत सरपंच हेमवती सिंह द्वारा की गई थी, जिसमें पंचायत कार्यों में अनियमितता एवं विकास कार्यों में बाधा का उल्लेख था।

25 फरवरी को हुई जांच, निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न

25 फरवरी को जांच अधिकारी आदेश टोप्पो, इंस्पेक्टर जनपद पंचायत अनूपपुर बदरा, ग्राम पंचायत भवन धूम्मा पहुंचे जांच के

दौरान सरपंच हेमवती सिंह, सचिव सुषमा रानी पांडे के साथ नरेश सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मदन सिंह, छोटेलाल सिंह, देव सिंह, लखन सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, दीपक सिंह, इंद्रपाल सिंह एवं लोकनाथ सिंह सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि जांच के दौरान उन्होंने सचिव के विरुद्ध खुलकर अपनी बातें रखीं, लेकिन उनकी आपत्तियों को पंचनामा या जांच रिपोर्ट में समुचित रूप से दर्ज नहीं किया गया। उपस्थित लोगों का कहना है कि पूरी कार्यवाही औपचारिकता तक सीमित रही और गोलमोल जवाब देकर प्रक्रिया पूरी कर ली गई मौके पर मौजूद ग्रामीणों द्वारा जांच की वीडियो रिकॉर्डिंग भी किए जाने की बात सामने आई है।

चुनिंदा लोगों को बुलाने का आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जांच के दौरान शिकायत से जुड़े पक्ष-विपक्ष के कुछ चुनिंदा व्यक्तियों को ही बुलाया गया, जिससे निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं सचिव पर यह भी आरोप है कि वे अपने पति के माध्यम से ठेकेदारी कार्य करवाने का प्रयास कर रही थीं, जिसका सरपंच द्वारा विरोध किया गया हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही संभव होगी।

सरपंच की नाराजगी, इस्तीफे का संकेत

आदिवासी सरपंच हेमवती सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि उन्हें विकास कार्यों में स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं करने दिया गया तो वे पद से इस्तीफा देने पर विचार करेंगी उनका कहना है कि जनता ने उन्हें गांव के विकास के लिए चुना है, लेकिन प्रशासनिक विवादों के कारण योजनाएं प्रभावित हो रही हैं।

जांच अधिकारी का पक्ष

जांच अधिकारी आदेश टोप्पो ने कहा कि वे समस्त तथ्यों के आधार पर जांच प्रतिवेदन तैयार कर उच्च अधिकारियों को सौंपेंगे और अंतिम निर्णय वरिष्ठ स्तर पर लिया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले ने पंचायत व्यवस्था की पारदर्शिता और प्रशासनिक कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं अब देखना यह होगा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर क्या ठोस कार्रवाई होती है।

खबर संक्षेप

कार्य सुचारू रूप से किये जाने 5 दिनों तक यातायात रहेगा बाधित

कटनी। कटनी ग्रेड सेपरेटर परियोजना के कार्य सुचारू रूप से कार्य किये जाने हेतु शनिवार 28 फरवरी रात्रि 11 बजे से प्रातः 5 बजे तक गाडर के परिवहन हेतु यातायात बाधित रहेगा। अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की आपातकालीन सेवा प्रभावित न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये। उक्त मार्ग से किसी भी प्रकार का आपात कालीन वाहन गुजरने पर उसे अविलम्ब सुरक्षित निकाला जायेगा। कार्य स्थल के दौरान कार्य स्थल के दोनो ओर कंपनी के व्यक्ति खडे.होने चाहिये एवं दोनो ओर कार्य प्रारंभ का बैनर लगा होना चाहिये। कार्य स्थल के दौरान स्थल से संबंधित थाना से समन्वय स्थापित कर कार्यवाही से अवगत कराना चाहिये। कार्य के दौरान सुरक्षा के पूर्ण प्रबंधन होने चाहिये ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित ना हो। विदित हो कि ए. उमामहेश्वर राव प्रोजक्ट हेड लार्सन एंड ट्यूबरो द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे (पीकेजी-1) की कटनी ग्रेड सेपरेटर परियोजना के अंतर्गत जिले के न्यू कटनी जंक्शन कटनी मुड़वारा यार्ड के ऊपर से गुजरने वाले डीएन लाइन रेल्वे ग्रेड सेपरेटर का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

युवा संगम के आयोजन में कटनी 5 अग्रणी जिलों में शामिल

कटनी। बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन पर जिले में युवा संगम कार्यक्रम के तहत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले में आकांक्षी युवाओं के लिये उत्कृष्ट कार्य पर रोजगार आयुक्त ने कलेक्टर श्री तिवारी की प्रशंसा की है। जिले में रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को रोजगार देने के मामले में कटनी जिला प्रदेश के 5अग्रणी जिलों में शामिल हैं। रोजगार आयुक्त, गिरीश शर्मा ने प्रशंसा पत्र में कलेक्टर श्री तिवारी के बहुमूल्य योगदान की सराहना करते हुये कहा है कि ₹आपके नेतृत्व में किया गया कार्य प्रशंसनीय है, भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा है।₹ जिले में युवा संगम कार्यक्रम के तहत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले के व्यापक आयोजन के मामले में कटनी जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर है। जिला रोजगार अधिकारी डी के पासी ने बताया कि इस वर्ष अप्रैल से अब तक 9 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है। जिसमें करीब ढाई हजार युवाओं का प्राथमिक चयन कर उन्हें ऑफर लेटर वितरित किये गये। वहीं अप्रेंटिसशिप के लिये 325 आवेदकों का चयन किया गया। इसी प्रकार स्वरोजगार हेतु 2 हजार 700आवेदकों को रोजगार मेले के माध्यम से ऋण वितरित किये गये।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में बैठक आयोजित

कटनी। आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिला न्यायालय में संजय कुमार गुप्ता द्वितीय जिलान्यायाधीश की अध्यक्षता में का बैठकआयोजन किया गया। उक्त मीटिंग में ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी से एल0डी0 चन्दवानी, चोला मण्डलम इंश्सोरेंस कंपनी से प्रीतम धाकड, टाटा ए.आई.जी. इंश्सोरेंस कंपनी से रोहित राय, एचडीएफसी इंश्सोरेंस कंपनी से प्रियांशी त्रिपाठी एवं बजाज ऐलियांज इंश्सोरेंस कंपनी से पवन प्रजापति, सभी बीमा कंपनियों के अधिकारीगण व्ही0सी0 के माध्यम से उपस्थित रहें, एवं बीमा कंपनी के अधिवक्तागण एवं क्लेमेंट अधिवक्तागण उपस्थित रहे। संजय कुमार गुप्ता जिला न्यायाधीश के द्वारा बीमा कंपनी के अधिकारियों से वन टू वन चर्चा की गयी एवं न्यायालय में लंबित मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के अधिक से अधिक निराकरण कराये जाने हेतु दिशा-निर्देश दिये गये, एवं बीमा कंपनी के अधिकारीगण द्वारा अधिक से अधिक संख्या में क्लेम प्रकरणों के निराकरण कराये जाने का अश्वासन दिया। सुमित शर्मा व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कटनी एवं हर्षित बिसने जिला विधिक सहायता अधिकारी के द्वारा आमजनपक्षकारों से अपील की है।

चक्का जाम और कोयला प्रेषण रोकने की चेतावनी; प्रबंधन को ठहराया जिम्मेदार

8 मार्च तक समाधान नहीं तो 9 से उत्पादन ठप: संयुक्त मोर्चा का हड़ताल नोटिस भूख हड़ताल

धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के सोहागपुर क्षेत्र में श्रमिक असंतोष खुलकर सामने आ गया है। पांच केंद्रीय श्रम संगठनों—एचएमएस, इंटक, बीएमएस, एटक और केएसएस (सीटू)—के संयुक्त मोर्चा ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 22(1)(ख) के तहत प्रबंधन को वैधानिक हड़ताल नोटिस जारी कर दिया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि 8 मार्च 2026 तक संलग्न मांग पत्र पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो 9 मार्च 2026 से महाप्रबंधक कार्यालय गेट के समक्ष क्रमिक भूख हड़ताल, चक्का जाम, कोयला प्रेषण अवरुद्ध करने और उत्पादन बंद करने जैसे आंदोलन प्रारंभ किए जाएंगे। संगठनों ने चेताया है कि आंदोलन के कारण क्षेत्र में कोयला उत्पादन और डिस्पैच प्रभावित होने की पूर्ण जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

नोटिस की प्रतिलिपि अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक तथा निदेशक (मानव संसाधन), एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर को भी प्रेषित की गई है।

स्थानांतरण और मशीन शिफ्टिंग पर आपत्ति

संयुक्त मोर्चा ने मांग पत्र में प्रमुख रूप से रामपुर बटुरा, अमलाई ओसीएम और धनपुरी ओसीएम परियोजनाओं के कर्मचारियों के प्रस्तावित स्थानांतरण का विरोध किया है। संगठनों का कहना है कि इन इकाइयों के कर्मचारियों को भूमिगत खदानों अथवा अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया से कार्यस्थल अस्थिर होगा और श्रमिकों पर अनावश्यक दबाव पड़ेगा। इसके साथ ही संबंधित परियोजनाओं में कार्यरत भारी मशीनों को अन्य क्षेत्रों में भेजने का भी विरोध किया गया है। श्रमिक नेताओं का तर्क है कि इससे स्थानीय उत्पादन व्यवस्था प्रभावित होगी और भविष्य में परियोजनाओं के संचालन पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो सकता है।

सेवा शर्तों में बदलाव पर नाराजगी

संयुक्त मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि श्रम संघों एवं कर्मचारियों की सहमति तथा सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी कर्मचारी की सेवा शर्तों में परिवर्तन स्वीकार्य नहीं होगा। संगठनों ने वाचन वार्ड के स्थानांतरण को भी अनुचित बताते हुए इसे तत्काल रोकने की मांग की है। साथ ही विभागीय कर्मचारियों के लिए अतरिया, बिछिया अथवा रामपुर/अमलाई ओसीएम में पृथक पैच संचालित करने का प्रस्ताव रखा है, ताकि कार्य व्यवस्था सुचारू रह सके।

ठेका कंपनियों की पारदर्शिता और बायोमेट्रिक व्यवस्था

सोहागपुर क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न ठेका कंपनियों के वर्क ऑर्डर और एलओआई की प्रतियां श्रम संगठनों को उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई है। संयुक्त

मोर्चा का कहना है कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। इसके अलावा सभी ठेका मजदूरों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने की मांग की गई है, ताकि श्रमिकों की वास्तविक उपस्थिति और कार्य अवधि का स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध हो सके।

क्षेत्र में हलचल, वार्ता की उम्मीद

हड़ताल नोटिस जारी होने के बाद सोहागपुर क्षेत्र की खदानों और कार्यालयों में हलचल तेज हो गई है। श्रमिकों के बीच आंदोलन को लेकर चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। यदि प्रबंधन और श्रम संगठनों के बीच शीघ्र वार्ता नहीं हुई तो 9 मार्च से क्षेत्र में कोयला उत्पादन और प्रेषण पर व्यापक असर पड़ सकता है। संयुक्त मोर्चा ने नारे देते हुए कहा—"मजदूर एकता जिंदाबाद" और "संयुक्त मोर्चा श्रम संघ जिंदाबाद"—और प्रबंधन से सकारात्मक पहल कर शीघ्र समाधान निकालने की अपील की है।

स्नेहकमल ऑरग्नाइजेशन की अनूठी पहल

निराश्रित व घायल गायों को मिला सुरक्षित आश्रय

अटल कामधेनु संस्थान धनपुरी में शेड का निर्माण व लोकार्पण

धनपुरी। मानवीय संवेदना और गौसेवा की मिसाल पेश करते हुए स्नेहकमल ऑरग्नाइजेशन ने अटल कामधेनु संस्थान में निराश्रित एवं घायल गायों के लिए 18×18 फीट का सुदृढ़ शेड बनवाया है। वर्षों से सेवा कार्य में जुटे संस्थान को इस पहल से बड़ी राहत मिली है। अब यहां आश्रय ले रही गायों को तेज धूप, बारिश और सर्द हवाओं से पर्याप्त सुरक्षा मिल सकेगी।नव निर्मित शेड का विधिवत पूजन-अर्चन कर उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के दौरान गायों को केला और गुड़ खिलाकर प्रसाद वितरण किया गया। पूरे परिसर में भक्ति, सेवा और करुणा का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर डॉ. श्रीमती आशा जैन, साधना अग्रवाल, शैला गुप्ता, प्रतिमा जैन, अर्चना ओझा एवं अंशू जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही। संगठन की ओर से स्नेहलता गुप्ता ने संस्थान में निस्वार्थ भाव से सेवा दे रहे गौसेवकों—राम दुबे, कपिल सेन, हीरा सिंह, आदित्य गुप्ता, अभिजीत पनिका एवं मनीष केवट—के समर्पण की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

डॉ. के. एम. गुप्ता ने भविष्य में भी गौसेवा के लिए हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।संस्थान प्रबंधन ने बताया कि क्षेत्रभर से घायल, बीमार और निराश्रित गायों को यहां लाकर उपचार व देखभाल की जाती है। नए शेड के निर्माण से उनके स्वास्थ्य संरक्षण में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और सेवा कार्य को नई गति मिलेगी।स्थानीय नागरिकों ने इस सराहनीय पहल को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि जब समाज के लोग आगे आकर सहयोग करते हैं, तभी गौसेवा जैसे पुनीत कार्य सतत रूप से आगे बढ़ते हैं।

मोहना ट्रेडर्स ने लोगों को मोहित कर लगाया लाखों का चूना

-ठगी के शिकार हुए सैकड़ों लोग
-सस्ते सामान के चक्कर में ठगे गए ग्राहक

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत शुक्लान तिराहा में उसे समय अपरा तफरी का माहौल मच गया जब ग्राहक अपना फर्नीचर, अलमारी ,फ्रिज और घरेलू सामान लेने पहुंचे तो दुकान में ताला और गोदाम में ताला लगा मिला फोन नंबर जब लगाया फोन नंबर बंद मिला दुकान वाले के कमरे में जब गए वहां पर भी ताला मिला काफी मशक्कत के बाद जब संपर्क नहीं हो पाया तब दुकान आए हुए लोगों को ठगी का एहसास हुआ इस ठगी के शिकार नगर सहित व्यवहारी के आसपास गांव के भी लोग ठगे गए इससे साबित हो गया कि रिजर्व बैंक जो कहता है जानकार बनिए सुरक्षित रहिए, सस्ता पड़ गया ना महंगा, इन सब स्लोगनों का लोगों में कोई फर्क नहीं पड़ा और लोग आज भी लालच के चक्कर में अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं।

बगल में दुकान फिर भी हो गए ठगी का शिकार -मोहन ट्रेडर्स के जाल में आम व्यक्तियों के अलावा उसके दुकान के बगल में ही ऑटो पार्ट्स की दुकान खोलने वाले भोलाहरा के अनिल तिवारी ने बताया कि मेरा 17500 जमा है छोटे-छोटे समान है आज डिलीवरी की डेट दिया था रसीद मेरे पास है , बगल में चुंगी नाका में दुकान खोलने वाले किशन गुप्ता ने बताया मेरा 45000 रुपए जमा है, बाणसागर की कल्पना वैश ने बताया कि मेरी भाभी ने कहा यहां पर आधे दर में सामान मिलता है तो मैं भी ₹40000 का सामान खरीदा था रसीद मेरे पास है ऐसा लगता है कि अब रसीद किसी काम की नहीं है, सुखाड सरपंच के पुत्र 180000 रुपए जमा किए उनके पास भी रसीद है।

क्या है पूरा मामला

नगर परिषद के अंतर्गत शुक्लान तिराहा है एलआईसी ऑफिस के बगल में मोहना ट्रेडर्स के नाम पर फर्नीचर और घरेलू सामान की दुकान खोली गई जिनके मकान मालिक आनंद शुक्ला, राम सहाय शुक्ला के घर में किराए से लेकर बकिया गुरु शेखरन पिता गुरू शेखरन जिला शिवगंगा तमिलनाडु का रहने वाला था जो अभी एक महीना पहले ही किराए की दुकान लेकर फर्नीचर का सामान बेच रहा था पंपलेट के माध्यम से अपना खूब प्रचार भी करवाया समाचार पत्रों में पंपलेट डलवाया करता था

उसके द्वारा लोगों को फसाने के लिए पहले कुछ लोगों को आधे दाम पर फर्नीचर देने लगा जिससे लोगों में यह बात फैल गई कि वहां पर अलमारी फ्रिज सोफा आधे दाम में अच्छी क्वालिटी का सामान मिलता है जब दुकान में भीड़ बढ़ने लगी तो उसने कहा कि आप लोग पैसा जमा कर दीजिए, पैसा जमा करा कर अपनी दुकान की रसीद और यूपीआई से भी जो पैसे दे रहे थे उसकी भी रसीद दे देता था । इस तरह से लगभग 100 लोगों ने पैसा जमा कर दिया पैसा जमा करने वालों में 10000 से लेकर 2 लाख तक के ग्राहक भी शामिल है सबसे बड़ी बात यह है कि जिससे पैसा जमा करता था उसको सामान देने के लिए 15 दिन का समय आगे की डेट देता था और जब दिनांक 24 फरवरी को बहुत सारे लोग रसीद लेकर अपना सामान लेने पहुंचे तो दुकान बंद मिला गोदाम में ताला मिला और वह अपने कमरे से गायब मिला लोग वद हवास हालत में थाने पहुंचे जहां पर उन्होंने शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है अब देखना यह है कि आरोपी कब तक में पकड़ा जाता है और कितने लोगों का पैसा वापस होता है

शादी विवाह के सीजन में अपनी लड़की को देने के लिए लोग यह सोच रहे थे कि चलो आधे रेट में सस्ता फर्नीचर तो मिल गया पर जो कहावत है वह वह सच हो गई और सस्ता पड़ गया ना महंगा इसलिए भविष्य में लोगों को प्रलोभन वाले ऑफरों से सावधान रहना चाहिए अब पछताए होत का जब चिड़िया चुग गई खेत।

सोशल मीडिया पर मिश्रित कमेंट-ठगी के शिकार लोगों पर सोशल मीडिया परलोक मजे ले रहे हैं और कह रहे हैं कि ऐसेह लोग अपने क्षेत्र के लोगों का पैसा नहीं देते बाहरी पर भरोसा करते है इनके साथ सही हुआ वहीं कुछ लोग पुलिस पर कार्रवाई की बात कर रहे हैं की ठगे गए लोगों का पैसा वापस दिलाया जाए।

भक्ति और उल्लास के साथ बुढ़ार में पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का भव्य आगाज़

यह आयोजन केवल पांच दिनों का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि स्वयं को बदलने का एक आध्यात्मिक अवसर है।— मुनि श्री प्रमाणसागर जी

बुढ़ार। नगर के नव-निर्मित श्री शांतिनाथ जिनालय में आध्यात्मिक ऊर्जा और मांगलिक मंत्रोचार के बीच छह दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का शुभारंभ हुआ। ध्वजारोहण एवं मंडप उद्घाटन की रस्मों के साथ ही पूरा नगर भक्तिमय हो गया है।

मुनि संघ का सान्निध्य और मांगलिक क्रियाएं

यह महोत्सव संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम में निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी, मुनि श्री शीतल सागर जी, मुनि श्री संधान सागर जी एवं क्षुल्लक श्री समादर सागर जी महाराज ससंघ विराजमान हैं।ध्वजारोहणः बिलासपुर के सवाई सिंघई कोयला परिवार द्वारा ध्वजारोहण और मंडप उद्घाटन का कार्य संपन्न किया गया।धार्मिक अनुष्ठानः वेदी शुद्धि और इंद्र प्रतिष्ठा के बाद दोपहर में याग मंडल विधान एवं हवन का आयोजन हुआ।आगामी कार्यक्रमः मीडिया प्रभारी प्रसन्न जैन ने बताया कि 26 फरवरी को प्रातः 6 बजे से अभिषेक, शांतिधारा और गर्भ कल्याणक पूजन संपन्न होगा।

विशेष आकर्षणः विश्व प्रसिद्ध 'भावनायोग

गुरुवार प्रातः 8 से 9:30 बजे तक मुनि श्री प्रमाणसागर जी के मुखारविंद से भावना योग का संपादन होगा। यह कार्यक्रम वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानसिक शांति और शारीरिक व्याधियों से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

पंचकल्याणक का उद्देश्य जीवन रूपांतरणः मुनि श्री प्रमाणसागर

प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री ने कहा कि पंचकल्याणक केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि जीवन रूपांतरण का अनुष्ठान है। उनके संबोधन के मुख्य बिंदु रहेःप्रतिष्ठा का महत्वः प्रतिष्ठा से पूर्व मंदिर केवल एक इमारत है, लेकिन प्रतिष्ठा के बाद वहां परमात्मा का वास होता है।मूर्त से अमूर्त की ओरः अमूर्त परमात्मा को पहचानने के लिए मूर्त (प्रतिमा) का आलंबन आवश्यक है।सावधानीः मुनि श्री ने चेताया कि जब रूपंचरू (साधना) रूप्रपंचरू में उलझ जाते हैं, तो उद्देश्य खत्म हो जाता है। हमारा लक्ष्य केवल आत्मा का कल्याण होना चाहिए।चार सूत्रः उन्होंने श्रद्धालुओं को चार बिंदुओं पर मंथन करने को कहा— पंचकल्याणक क्या है, क्यों करें, कैसे करें और क्या करना चाहिए ।

मानवता और आत्मशुद्धि का मार्ग है 'भावना योग': आचार्य श्री प्रमाण सागर जी

बुढार। नगर में आयोजित भव्य पंचकल्याणक महोत्सव के दौरान बुधवार को विद्यासागर भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए प्रखर वक्ता आचार्य श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने धर्म और जीवन के सार पर गंभीर विचार रखे।

आत्मा से परमात्मा का मिलन

आचार्य श्री ने कहा कि नगर में हो रहे ये धार्मिक अनुष्ठान केवल परंपरा मात्र नहीं हैं, बल्कि ये 'आत्मा से परमात्मा' की मंगल कामना के अवसर हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि धर्म ही वह एकमात्र मार्ग है जो मनुष्य की ऊर्जा को सही दिशा देता है। हर व्यक्ति के हृदय में मानवता का वास होना ही

धर्म की असली जीत है।

भावना योगः भीतरी परिवर्तन

आध्यात्मिक साधना और योग पर प्रकाश डालते हुए महाराज श्री ने 'भावना योग' को जीवन के लिए अनिवार्य बतायाःशुद्धता का महत्वः मनुष्य को अपनी भीतरी भावनाओं को शुद्ध करना चाहिए क्योंकि भावनाएं ही जीवन की दिशा तय करती हैं।निर्मल जीवनः यदि भावनाएं विकृत हों तो जीवन अंधकारमय हो जाता है, और यदि वे निर्मल हों तो जीवन आलोकित हो उठता है।स्वयं पर नियंत्रणः भावना योग हमें सिखाता है कि हम बाहरी परिस्थितियों को बदलने की बजाय अपनी भीतरी प्रतिक्रियाओं को बदलें।₹क्रोध के स्थान पर क्षमा, ईर्ष्या के स्थान पर मैत्री, अहंकार के स्थान पर विनय और लोभ के स्थान पर संतोष को चुनना ही वास्तविक साधना है।

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की 196 महिला अभ्यर्थियों का फिजिकल एवं मेडिकल टेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

भारतीय सेना में शामिल होने की ख्वाहिश के साथ झिंझरी स्थित पुलिस लाइन ग्राउंड में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की 196 महिला अभ्यर्थियों का फिजिकल और मेडिकल टेस्ट हुआ। इस भर्ती रैली में 15 जिलों के प्रतिभागी युवाओं ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि कटनी में 13 फरवरी से 24 फरवरी तक आयोजित हुई अग्निवीर भर्ती में 15 जिलों के 5 हजार 374 उन युवाओं को आमंत्रित किया गया था। जिसमें से सभी दिनों को मिलाकर करीब 4 हजार प्रतिभागियों ने अग्निवीर भर्ती में शामिल होकर फिजिकल और मेडिकल टेस्ट दिया और दस्तावेजों का सत्यापन कराया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच कर दी दवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ विजयराघवगढ़

नवांकुर संस्था राहत समर्पण सेवा समिति द्वारा सिविल अस्पताल विजयराघवगढ़ के सहयोग से आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 1790 से अधिक मरीजों का परीक्षण एवं उपचार किया गया। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आए बुजुर्ग महिलाएं और युवाओं ने शिविर में भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान 110 मरीजों की रक्त जांच की गई तथा 50 मरीजों के एक्स रे किए गए। नेत्र रोग से पीड़ित मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु रेफर किया गया। शेष सभी जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद कुमार के मार्गदर्शन में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं प्रदान कीं। डॉ. धनेश्वरी सिंह स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. डेनियल परमार, डॉ. धनंजय माझी सर्जन एवं नेत्र सहायक संजीव श्रीवास्तव ने सक्रिय भूमिका निभाई राहत समर्पण सेवा समिति एक पंजीकृत गैर सरकारी संगठन है जो विजयराघवगढ़ जिला कटनी से संचालित होकर स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पोषण, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रही है।

ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर नेत्र जांच अभियान रक्तदान शिविर महिला

जागरूकता कार्यक्रम एवं वृक्षारोपण अभियान समिति की प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं। समिति के अध्यक्ष शारदा प्रसाद साहू ने कहा कि यह आयोजन केवल एक स्वास्थ्य शिविर नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भावना का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने सिविल अस्पताल प्रशासन एवं चिकित्सकीय टीम के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

किरर बड़हर मार्ग में मृत मिला सफेद पीठ वाला गिद्ध, वनविभाग पहुंचा मौके पर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। बुधवार की दोपहर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के किरर बीट अंतर्गत किरर से बड़हर मुख्य मार्ग पर एक सफेद पीठ, सफेद दुम वाला गिद्ध मुख्य मार्ग के किनारे अज्ञात कारणो से मृत स्थिति में पड़े होने की सूचना मनोज पटेल सचिव ग्राम पंचायत औढेरा द्वारा वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल को अवगत कराए जाने पर अगवाल द्वारा वन परिक्षेत्र अधिकारी अनूपपुर स्वर्ण गौरव सिंह एवं परि, सहायक किरर रिटर्ड रेगी राव को अवगत कराया गया सूचना पर वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचकर मृत गिद्ध के शव को सुरक्षित वन चौकी किरर में ला कर रखा गया है। विदित है कि 20-21 एवं 22 फरवरी को प्रदेश स्तर पर सभी वन मण्डलो के वन परिक्षेत्रो में संकटापन्न गिद्धों की गणना का कार्य तीन दिनों तक कराया गया रहा जिसमें वन परिक्षेत्र अनूपपुर के बड़हर, किरर एवं औढेरा बीट के जंगलों में गिद्धों के चट्टान एवं विभिन्न प्रकार के पेड़ों में विचरण करने पेड़ों में घोसला एवं चट्टानों में आवासों में रहना पाए गए रहे हैं। अचानक अज्ञात कारण से एक गिद्ध की मौत चिंता का विषय बना हुआ है।

पीएम आवास के तृतीय किस्त प्राप्त हितग्राहियों के कार्यों की पूर्णता सुनिश्चित करें-सीईओ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित प्रधानमंत्री आवास के समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास तथा जनमन आवासो की समीक्षा करते हुए तृतीय किस्त प्राप्त हितग्राहियो के कार्यों की पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी आवास उमेश द्विवेदी, आवास के विकासखंड समन्वयक तथा पंचायत समन्वयक अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास तथा जनमन आवास के विकास खण्डवार तथा कलस्टर वार समीक्षा करते हुए जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने प्रधानमंत्री जनमन आवास निर्माण कार्यों की साप्ताहिक प्रगति का लक्ष्य लेकर प्रत्येक हितग्राहियों के कार्यों की सघन मॉनिटरिंग कर लक्ष्यो के अनुरूप प्रगति परिलक्षित करने के निर्देश आवास के विकासखंड समन्वयको तथा पंचायत समन्वय अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि हितग्राहियों से व्यक्तिगत सम्पर्क कर पूर्णता के प्रयास सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणो को संतुष्टि से निराकृत करने के निर्देश दिए हैं।

पुष्पराजगढ़ में आज सामूहिक विवाह समारोह का होगा आयोजन

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशों के पालन में कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की तिथियां निर्धारित की गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज 26 फरवरी को जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के एमपीईबी ग्राउंड पुष्पराजगढ़ में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में नगरपालिका परिषद कोतमा तथा बिजुरी एवं नगर परिषद अमरकंटक सहित जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायतों के वर-वधु सम्मिलित होंगे।

टेंट हटाने के तुगलकी फरमान पर गुलदस्ता भेंट कर पटवारियों ने किया प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित

पटवारियों का व्यंग्यात्मक विरोध

अपनी मांगो और समस्याओं पर पटवारियों का सख्त रवैया जारी मांगे नहीं हुई पूरी तो होगा प्रदेश व्यापी आंदोलन

अनूपपुर में पटवारी आंदोलन ने आज नया मोड़ ले लिया है। जिला प्रशासन के तुगलकी फरमान पश्चात कल आंदोलन स्थल पर लगे पंडाल हटाने की कार्रवाई के बाद आज पटवारियों ने विरोध का अनोखा और व्यंग्यात्मक तरीका अपनाया है। प्रत्येक पटवारी ने जिला प्रशासन को टेंट हटाने के लिए 'धन्यवाद' कहते हुए फूलों का गुलदस्ता भेंट किया है। इसके साथ ही कलेक्टर को ज्ञापन देकर लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले में पटवारियों का आंदोलन अब सिर्फ धरना या हड़ताल तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि नए-नए प्रतीकों के जरिए प्रशासन को संदेश दिया जा रहा है। 12 फरवरी से अनिश्चित कालीन कलम बंद हड़ताल कर रहे पटवारियों के आंदोलन स्थल पर कल शाम पुलिस बल के माध्यम से धरना स्थल से टेंट हटाए जाने के बाद आज मध्य प्रदेश पटवारी संघ जिला इकाई अनूपपुर के सभी पटवारियों ने सामूहिक रूप से जिला प्रशासन को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया है। इसे उन्होंने "धन्यवाद ज्ञापन" बताया है, लेकिन इसके पीछे छिपा व्यंग्य और आक्रोश साफ नजर आया है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, जिला इकाई अनूपपुर द्वारा कलेक्टर को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया है, जिसमें पटवारियों की लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग की गई है। ज्ञापन में वेतन भुगतान, सेवा शर्तों, कार्य परिस्थितियों और दंडात्मक कार्रवाई जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया है। संघ का कहना है कि यदि अब भी प्रशासन ने गंभीरता नहीं दिखाई, तो आंदोलन को और व्यापक और प्रदेश स्तर में किया जाएगा जिसका जिम्मेदार सिर्फ अनूपपुर जिला प्रशासन होगा।

टेंट हटाने पर फूलों से 'धन्यवाद'

पटवारियों ने बुधवार को विरोध का ऐसा तरीका अपनाया, जिसने पूरे प्रशासनिक महकमे सहित आम जनता का ध्यान खींच लिया है। प्रत्येक पटवारी द्वारा जिला प्रशासन को फूलों का गुलदस्ता सौंपते हुए टेंट हटाने के लिए धन्यवाद दिया गया है। संघ का कहना है कि यह धन्यवाद दरअसल उस रवैये पर सवाल और करारा जवाब है, जिसमें शांतिपूर्ण आंदोलन को बलपूर्वक समाप्त किया गया है। पटवारियों के मुताबिक यह कदम यह दिखाने के लिए था कि वे हिंसा या अव्यवस्था नहीं चाहते, बल्कि संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीकों से अपनी बात रखना जानते हैं। यह प्रतीकात्मक विरोध अब चर्चा का विषय बन गया है।

कलेक्टर को ज्ञापन में समस्याओं की लंबी सूची

आज सौंपे गए ज्ञापन में पटवारियों की कई पुरानी और गंभीर समस्याओं का उल्लेख किया गया है। संघ ने बताया कि लंबे समय से वेतन भुगतान में देरी हो रही है, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा अत्यधिक कार्यभार और लगातार बैठकों के दबाव से मानसिक तनाव बढ़ रहा है। संघ ने मांग की है कि प्रशासन इन समस्याओं को कर्मचारी विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था सुधार के रूप में देखे और शीघ्र ठोस निर्णय ले जल्द ही समस्याओं का समाधान करें।

वेतन, निलंबन और दंडात्मक कार्रवाई पर सवाल

ज्ञापन में जनवरी माह का वेतन तत्काल जारी करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई है। साथ ही बिना जांच निलंबित किए गए पटवारियों को बहाल करने और एकतरफा दंडात्मक कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई है। संघ का कहना है कि बिना सुनवाई के की गई कार्रवाई कर्मचारियों में भय और असंतोष पैदा करती है। इससे न केवल मनोबल टूटता है, बल्कि शासकीय कार्यों की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है।

कार्य परिस्थितियों और सुविधाओं की मांग

पटवारियों ने कार्य परिस्थितियों में सुधार की भी मांग रखी है। ज्ञापन में तहसील स्तर पर अनावश्यक बैठकों को समाप्त करने, अवकाश के दिनों में शासकीय कार्य न लेने और आवश्यकता अनुसार ही समीक्षा बैठक आयोजित करने की बात कही गई है। साथ ही शिविर और मैदानी कार्य के दौरान भोजन भत्ता, यात्रा भत्ता, मोबाइल और टैबलेट जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी शामिल है।

समाधान नहीं तो आंदोलन होगा प्रदेशव्यापी

संघ पदाधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि पटवारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो कर्मचारियों को दोबारा आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। उनका कहना है कि यह संघर्ष किसी व्यक्ति या पद के खिलाफ नहीं, बल्कि सम्मानजनक सेवा शर्तों और सुचारु प्रशासन के लिए है। अब गेंद प्रशासन के पाले में है कि वह संवाद और समाधान का रास्ता चुनता है या फिर टकराव और गहराता है। अगर प्रशासन पटवारियों पर ऐसे ही बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाता रहा तो जल्द ही यह आंदोलन प्रदेश व्यापी बन सकता है।

दो भागों में बटे तीन हाथी, घर एवं फसल का कर रहे नुकसान रात रात जाग कर खतरा मोल ले कर ग्रामीण खदेड़ते है हाथी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

तीन हाथियों का समूह दो अलग-अलग हिस्सों में बट कर निरंतर 64 दिनो से अनूपपुर जिले में भ्रमण कर रहे हैं जो दिन के समय जंगल में रहकर शाम एवं रात होते ही जंगल से लगे ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के घरो में तोड़फोड़ कर एवं खेतों में लगी विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बना रहे हैं निरंतर हाथियों के विचरण करने एवं नुकसान करने से ग्रामीण जन बेहद परेशान है ग्रामीण जन हाथियों के आने पर रात रात भर जाग कर हाथियों को अपने इलाके से खदेड़ने को मजबूर है ग्रामीणों ने जिले के जनप्रतिनिधियों, वन विभाग एवं जिला प्रशासन से हाथियों को जिले से दूर करने हेतु ठोस कदम उठाए जाने की मांग की है। तीन हाथियों का समूह चार-पांच दिन से एक बार फिर दो एवं एक की संख्या में अलग-अलग होकर वन परिक्षेत्र थाना एवं तहसील जैतहरी के धनगवां बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत कुकुरगोंड़ा एवं पड़रिया के ग्रामीण अंचल से लगे जंगल में दिन में ठहरने बाद शाम एवं रात होते ही जंगल से निकल कर रविवार की रात एक दांत वाला नर हाथी ग्राम पंचायत पड़रिया की चोई गांव अंतर्गत जुनहाटोला निवासी रामायण पिता रामसहाय राठौर, पडमनिया टोला निवासी गीता प्रसाद पिता महेश राठौर, वन चौकी एवं पडमनिया टोला

निवासी ललन राठौर पिता पूरनलाल राठौर के खेत में लगे गेहूं एवं अन्य तरह की फसलों को रात भर अपना आहार बनाया जबकि दो दो दांत वाले हाथी देर रात को रोहिलाकछार गांव से लगे जंगल में विभिन्न तरह के पेड़ों को तोड़कर आहार बनाते रहे। सोमवार की सुबह दोनों हाथी बीट धनगवां के आमापानी जंगल में ठहरे रहे जबकि एक दांत वाला हाथी चोलना बीट के प्लांटेशन के जंगल में ठहरा रहा सोमवार की रात दोनों हाथी ग्राम पंचायत कुकुरगोंड़ा के बेल्हाटोला निवासी गुलाब पिता आनंदराम, फरसराम पिता हीरालाल सिंह, मग्घू पिता सेमलाल सिंह, लाल सिंह के खेतों में लगे चना मटर एवं अन्य तरह की फसल को आहार बनाते हुए मंगलवार की सुबह धनगवां बीट के जंगल हुडराडोंगरी में पहुंचकर विश्राम कर रहा है वही एक दांत वाला नर हाथी सोमवार की रात चोलना बीट के प्लांटेशन जंगल से निकल कर ग्राम पंचायत कुकुरगोंड़ा के गढ़ईटोला निवासी जियालाल कोल, लालमन चौधरी, रामेश्वर सिंह एवं झुमुखलाल कोल के घरों में पहुंचकर घर को तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखे खाने पीने की सामग्रियों को अपना आहार बनाते हुए मंगलवार की सुबह धनगवां बीट के आमापानी जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहा है। निरंतर 64 दिनों से तीन हाथियों के अनूपपुर जिले के अनूपपुर एवं जैतहरी इलाके में निरंतर विचरण कर ग्रामीणों के घरों एवं फसलों को नुकसान किए जाने से ग्रामीण परेशान है ग्रामीण जन हाथियों के खेत एवं घर के पास आने पर खतरा मोल ले कर मशाल, पटाखा, हो-हल्ला एवं अन्य माध्यमों से हाथियों को अपने इलाके से रात-रात भर दूर खदेड़ने में लगे रहते हैं हाथी प्रभावित ग्राम पंचायत कुकुरगोंड़ा, पड़रिया एवं क्योटार के ग्रामीणों ने जिले के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन एवं वन विभाग से निरंतर विचरण कर रहे हाथियों को जिले से बाहर किए जाने के साथ ग्रामीण के हाथियों द्वारा किए गए नुकसान का सर्वेक्षण करा कर मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

होली रमजान पर मिलावट का जाल, शहर-शहर नकली मिठाइयों का कारोबार-कन्हैयालाल मिश्रा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारतीय गण वार्ता (भगवा) पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जिले में होली और रमजान के अवसर पर बढ़ती खाद्य मिलावट पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि रंगों और इबादत के पावन पर्व के दौरान बाजारों में नकली मावा, मिलावटी तेल, कृत्रिम रंगों से सजी मिठाइयाँ और संदिग्ध खजूर की खुलेआम बिक्री हो रही है, जो आमजन के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। मिश्रा ने आरोप लगाया कि जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग की निष्क्रियता के कारण मिलावटखोर बेखौफ होकर अपने अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं।

खजूर में केमिकल और शुगर सिरप की मिलावट- रमजान को देखते हुए बाजारों में बड़ी मात्रा में खजूर की बिक्री हो रही है। जानकारी मिली है कि कई दुकानों में खजूर को आकर्षक दिखाने के लिए शुगर सिरप और रासायनिक पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है। ऐसे उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

होली की गुजिया और मावा संदेह के घेरे में- होली के प्रमुख व्यंजन गुजिया में उपयोग होने वाला मावा भी मिलावटी पाया जा रहा है। सिंथेटिक मावा, स्टार्च और रिफाइंड ऑयल से तैयार नकली मावा बाजार में धड़ल्ले से बिक रहा है। कई स्थानों पर पाम ऑयल को देसी घी के नाम पर बेचा जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक ऐसे मिलावटी उत्पादों का सेवन गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकता है।

रंगीन मिठाइयाँ और नकली तेल- त्योहारों में आकर्षण बढ़ाने के लिए मिठाइयों में प्रतिबंधित रंगों का प्रयोग किया जा रहा है। वहीं सरसों और सोयाबीन तेल में पाम ऑयल की मिलावट कर खुलेआम बिक्री की जा रही है। उपभोक्ता असली और नकली के बीच अंतर नहीं कर पा रहे हैं।

विभागीय कार्रवाई शून्य- मिश्रा ने कहा कि अब तक जिले में न तो सघन जांच अभियान चलाया गया और न ही किसी बड़ी कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की गई है। बाजारों में खुलेआम मिलावट का खेल चल रहा है, जिससे आमजन में आक्रोश है।

नागरिकों से अपील- भगवा पार्टी जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल मिश्रा ने प्रशासन से मांग की है कि त्योहारों के मद्देनजर विशेष जांच अभियान चलाकर मिलावटखोरों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। संदिग्ध खाद्य सामग्री जब्त कर दोषियों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कदम उठाए जाएं। साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रमाणित दुकानों से ही खाद्य सामग्री खरीदें तथा किसी भी संदिग्ध वस्तु की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें, ताकि त्योहारों की खुशियाँ सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण में मनाई जा सके।

अनूपपुर जंक्शन पर यात्री सुविधाओं में वृद्धि

रानी कमलापति संतरागाछी ट्रेन का स्टॉपेज स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के प्रमुख रेलवे स्टेशन अनूपपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर लंबे समय से लंबित यात्री सुविधाओं और ट्रेन स्टॉपेज की मांग आखिरकार पूरी हो गई है। भगवा पार्टी के जिला महामंत्री वरूण चटर्जी द्वारा 5 अगस्त 2024 को रेल प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन और लगातार अपने इस मांग से रेल प्रशासन को अवगत कराते रहे जिसके फल स्वरुप अब रेल प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सुविधाओं में सुधार और ट्रेन स्टॉपेज को स्वीकृति प्रदान की है। वरूण चटर्जी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अनूपपुर जंक्शन बिलासपुर कटनी रेल सेक्शन का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है, जहां से अंबिकापुर एवं चिरमिरी के लिए शाखा रेल लाइन भी जाती है। इसके बावजूद यहां यात्रियों को कई प्रकार की असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था। वरूण चटर्जी ने तर्क

दिया था कि जनहित को ध्यान में रखते हुए ट्रेन का विस्तार आवश्यक है। इस मांग पर भी रेलवे ने सकारात्मक रुख अपनाया है। सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में ट्रेन संख्या 22169/22170 द्वारा संचालित रानी कमलापति संतरागाछी साप्ताहिक एक्सप्रेस का अनूपपुर जंक्शन में स्टॉपेज स्वीकृत किया गया है। यह ट्रेन भोपाल (रानी कमलापति) से कोलकाता तक चलती है और पहले शहडोल एवं बिलासपुर में रुकती थी, लेकिन अनूपपुर में इसका ठहराव नहीं था। अब स्टॉपेज मिलने से अनूपपुर एवं आसपास के यात्रियों को राजधानी एवं महानगर कोलकाता तक सीधी सुविधा उपलब्ध होगी। इससे यात्रियों को समय और धन दोनों की बचत होगी तथा रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। वरूण चटर्जी ने बताया कि यह मांग 5 अगस्त 2024 को रेल मंत्री एवं रेल मंत्रालय, बिलासपुर रेलवे महाप्रबंधक, डीआरएम तथा जबलपुर जोन के अधिकारियों को पत्र लिखकर की गई थी। अब मांग पूरी होने पर उन्होंने इसे भगवा पार्टी के सतत प्रयासों का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि क्षेत्र की जनता की जीत है और आगे भी स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य नहीं-कलेक्टर हर्षल पंचोली

धनश्री पैलेस में आयोजित हुआ रक्तदान मोटिवेशनल कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा है कि रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा दान किया गया रक्त यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा देता है, तो इससे अधिक सार्थक कार्य जीवन में और कोई नहीं हो सकता। कलेक्टर श्री पंचोली ने युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि सभी युवा इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और रक्तदान शिविरों में सक्रिय रूप से हिस्सा लें। कलेक्टर श्री पंचोली आज अनूपपुर नगर के धनश्री पैलेस में आयोजित रक्तदान मोटिवेशनल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने यह भी कहा कि रक्तदान से समाज में एकता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। जब सभी वर्ग और समाज के लोग एक साथ मिलकर रक्तदान करते हैं, तो यह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम

बनता है। रक्तदान के माध्यम से समाज को जोड़ा जा सकता है और जरूरतमंदों को नया जीवन दिया जा सकता है। कलेक्टर श्री पंचोली ने सभी नागरिकों से नियमित रूप से रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आव्हान किया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री पंचोली ने 40 लोगों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. एस. आर. परस्ते, डॉ. एस. सी. राय, भारतीय रेडक्रास सोसायटी के सचिव देवेन्द्र तिवारी, उपाध्यक्ष नगर परिषद जैतहरी रवि राठौर, पत्रकारगण, जनप्रतिनिधिगण, सामाजिक कार्यकर्ता, रक्तदाता सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला एवं आमजन उपस्थित रहे।

चना, मसूर फसल के उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन 16 मार्च तक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग कैलाश मगर ने जानकारी दी है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में चना एवं मसूर फसलों का किसानों से उपार्जन हेतु 20 फरवरी से किसानों का पंजीयन प्रारंभ हो गया है। यह पंजीयन 16 मार्च तक किया जाएगा। उन्होंने जिले के किसानों से अपील है कि अपने नजदीकी पंजीयन केन्द्र पर अधिक से अधिक पंजीयन कराएं। पंजीयन हेतु जिले में 8 पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। जिनमें विकासखण्ड पुष्पराजगढ़ अंतर्गत आ.जा. सेवा सह. समिति मर्या. राजेन्द्रग्राम तथा आ.जा. सेवा सह. समिति मर्या. बेनीबारी, विकासखण्ड जैतहरी अंतर्गत आ.जा. सेवा सह. समिति मर्या. जैतहरी, विकासखण्ड अनूपपुर अंतर्गत आ.जा. सेवा सह. समिति मर्या. मझगवां (फुनगा), आ.जा. सेवा सह. समिति मर्या. दुलहरा, आ.जा. सेवा सह. समिति मर्या. अनूपपुर तथा आ.जा. सेवा सह. समिति मर्या. पसान एवं विकासखण्ड कोतमा अंतर्गत आ.जा. सेवा सह. समिति मर्या. बिजुरी शामिल है।